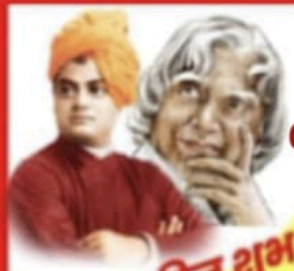

दिनांक 01.04.2025

काव्यांजलि

2481

दिन मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 1, विषय- हिन्दी (सारंगी), पाठ- 1

मीना का परिवार

मीना का है प्यारा परिवार,
खुशियों से भरा है घर-द्वार।
मिलजुलकर सब काम हैं करते,
एक-दूजे का ध्यान हैं रखते।।

सात सदस्य रहते खुश होकर,
दादा-दादी, माता-पिता।
चाचा, मीना और दिवाकर,
बातें करते खूब हँस-हँसकर।।

तीन साल का है दिवाकर,
मीना का है ये छोटा भैया,
है बड़ा नटखट और चुलबुला,
किवाड़ के पीछे छिपता भागकर।।

मीना उसे गिनती सिखाती,
दिवाकर बोलता 1, 2, 3, 4
मीना बोले चाचा हमसे करते प्यार,
फिर झट से उसे ढूँढ निकालती।।

रचना- रीना काकरान (स०अ०)
प्रा० वि० सालेहनगर
जानी, मेरठ

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 02 अप्रैल 2025

काव्यांजलि

2482

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 2

पाठ- 3 विषय- सारंगी

माला की चाँदी की पायल

हुश्श्श्! करके बिल्ली को डराती,
नानी हेएए! करके डरायी।
छोटा भाई धप्प! से डराया,
भऊऊ! से भागे डाकिया भाई।

एक दिन माला की माँ ने,
चाँदी की पायल दी उपहार।
लगी घूमने उन्हें पहनकर,
पायल से करती वह प्यार।।

छिक-छिक छम घुँघरू बजते,
आवाज से सब जाते पहचान।
हुश्श्श्! से पहले बिल्ली कूदी,
वह भी माला को गई जान।।

हेएए! से पहले नानी पलटी,
धप्प! से पहले भागा भाई।
छिक- छिक छम सुन डाकिया भागा,
माला अब किसी को न डरा पायी।।

रचना
मंजू शर्मा "माधुरी" (स०अ०)
प्रा० वि० नगला जगराम
ब्लॉक- सादाबाद, जनपद- हाथरस

दिनांक 03.04.2025

काव्यांजलि

2483

दिन गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 7, पाठ-9 विषय:- हमारा इतिहास

शेरशाह सूरी

शेर सा साहसी, दिल से मजबूत,
भारत की धरती का वीर अनूठ।
सासाराम की माटी का लाल,
हर युद्ध में छाया, था जाँबाज़ कमाल।।

मुगलों को दी चुनौती बड़ी,
दिल्ली की गद्दी फिर से खड़ी।
शेरखाँ से शेरशाह बन गया,
हिन्द की भूमि पर छा गया।।

ग्रैंड ट्रंक रोड का उसने निर्माण किया,
सड़कें, सरायें, हर ओर विकास किया।
रूपये का सिक्का चलाया,
जनता के दिलों में स्थान बनाया।।

शेरशाह, तेरा नाम अमर है,
वीरता का तेरा ये सफर है।
भारत के इतिहास में तू महान,
तेरे बिना अधूरा हिन्दुस्तान।।

रचना:-
वन्दना श्रीवास्तव (प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० अन्दावा
वि०क्षे०- बहादुरपुर, (प्रयागराज)

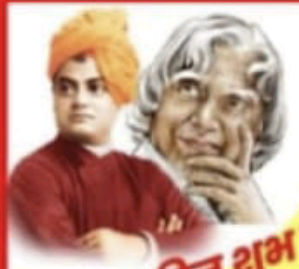

दिनांक 04 अप्रैल 2025

काव्यांजलि

2484

दिन शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 7

पाठ- 7

हमारा भूमण्डल

समुद्र की गतियाँ (जल धारा के प्रकार)

महासागर में जल धारा की उत्पत्ति,
का कारण अलग-अलग है होता।
पृथ्वी का घूर्णन, जल का तापमान,
और खारेपन के कारण होता।।

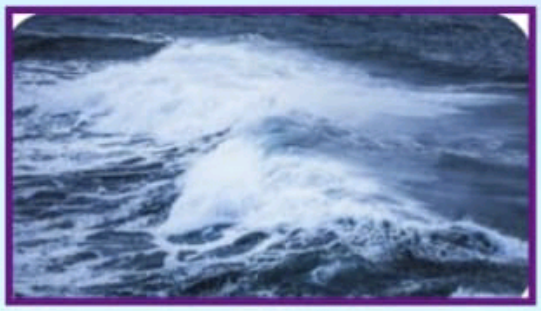

जल तापमान के आधार पर,
धाराओं के हैं दो प्रकार।
गर्म जल धारा, ठण्डी जल धारा,
जानों ये दोनों हैं उनके नाम।।

गर्म क्षेत्र से ठण्डे क्षेत्र में,
बहती है जो जल धारा।
जल उनका होता है गर्म,
इसलिए कहते गर्म जल धारा।।

ठण्डे क्षेत्र से गर्म क्षेत्र में,
बहती है जो जल धारा।
तापमान जल का होता कम,
इसलिए कहते ठण्डी जल धारा।।

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर

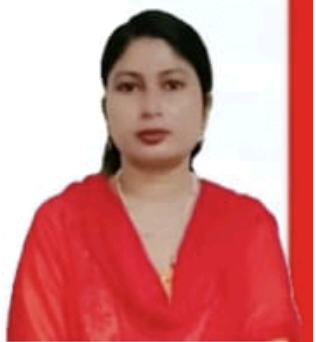

दिनांक 05-04-2025

काव्यांजलि

2485

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

वाटिका (कक्षा-5)

पाठ- पंच परमेश्वर

सच्ची मित्रता की कहानी,
सुनाती हूँ मैं आज।
ध्यान से सुनना छुपा है,
इसमें गहरा एक राज।।

जुम्मन शेख और अलगू चौधरी,
मित्र बड़े थे खास।
आँख मूँद करते थे,
दोनों एक-दूजे पर विश्वास।।

जुम्मन शेख के घर में,
एक बूढ़ी खाला रहती थी।
शेख की पत्नी करीमन के,
जुल्मों सितम सहती थी।।

ज़मीन जायदाद सारी उसने,
जुम्मन के की थी नाम।
उसी प्यार के बदले,
भूखी रहने तक का मिला अंजाम।।

सरपंच बना देख अलगू को,
जुम्मन मन में मुस्काये।
जिरह मगर जब की अलगू ने,
थे हैरत से सब घबराये।।

रचना- पारुल चौधरी (स०अ०)
प्रा० वि० बसी न० 3
खेकड़ा, बागपत

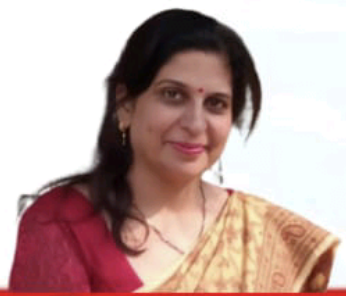

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

दिनांक
7 अप्रैल 2025

काव्यांजलि
2486

दिन
सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

पाठ- 11

कक्षा -5 विषय- विज्ञान (प्रकृति)

पेड़ पौधों का भोजन

प्यारे बच्चों! पेड़ पौधों को भी,
भोजन की जरूरत होती है।
धूप, पानी और हवा से,
पेड़-पौधों के लिए जरूरी होती है।।

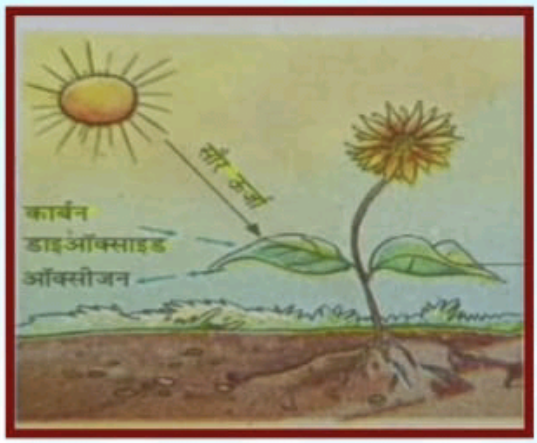

पौधे अपना भोजन स्वयं बनाते,
इसे प्रकाश संश्लेषण कहते हैं।
देते हमें प्राण वायु ऑक्सीजन,
और CO2 अवशोषित करते हैं।।

पर कुछ पौधे अपना भोजन,
स्वयं नहीं बना पाते हैं।
खाते सड़ी गली चीजों को,
वे मृतोपजीवी पौधे होते हैं।।

दूसरे जीवित पौधों या जन्तुओं पर,
कुछ पेड़-पौधे निर्भर होते हैं।
वीनसफ्लाईट्रैप, नेपेन्थीज हैं उदाहरण,
वे परजीवी पेड़-पौधे होते हैं।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
क्षेत्र- अमरौधा, जनपद- कानपुर देहात

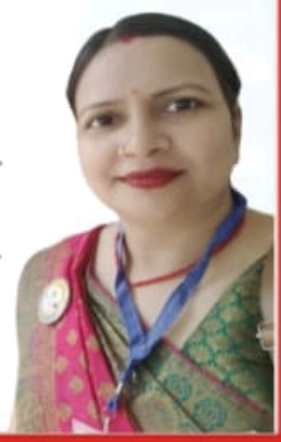

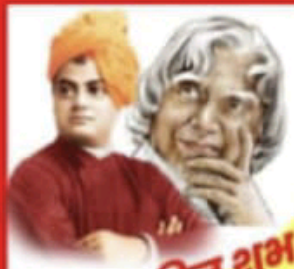

दिनांक
08 अप्रैल
2025

काव्यांजलि

2487

दिन
मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा - 03 पाठ- 02
विषय- पंखुड़ी

मुर्गा और लोमड़ी भाग-04

मटका कर अपनी आँखें,
गर्दन मुर्गे ने उठाया।
ऐसा लगा कि जंगल में,
हो कोई जैसे दूर से आया।।

लोमड़ी बोली मुर्गे से,
गर्दन को क्यों है उठाया।
अच्छी खबर सुनायी मैंने,
तुमको समझ न आया।।
बोला मुर्गा लोमड़ी से,
शिकारी कुत्ते दिख रहे हैं आते।
रुको जरा देखूँ मैं,
अपनी ऊपर गर्दन उठा के।।

लोमड़ी अब थी लगी भागने,
मुर्गा बोला क्यों भागी अब।
क्यों न भागूँ मैं यहाँ से,
झूठा ही समझौता था ये सब।।

रचना:-
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फ़तेहपुर

दिनांक 09 अप्रैल 2025

काव्यांजलि

2488

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- उच्च प्राथमिक

विषय-पर्यावरण

जल

पाठ- 4

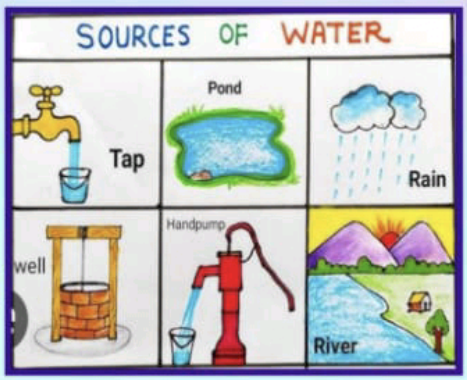

जल जीवन के लिए आवश्यक,
जल से ही जीवन सम्भव है।
प्रकृति में विभिन्न रुपों में मिलता,
ठोस-बर्फ, द्रव-पानी, भाप-गैसीय रुप है।।

प्राकृतिक रूप से हमको जल,
वर्षा और श्रोतों द्वारा प्राप्त होता।
वर्षा का जल, नदियों, नालों से,
होता हुआ समुद्र में मिल जाता।।

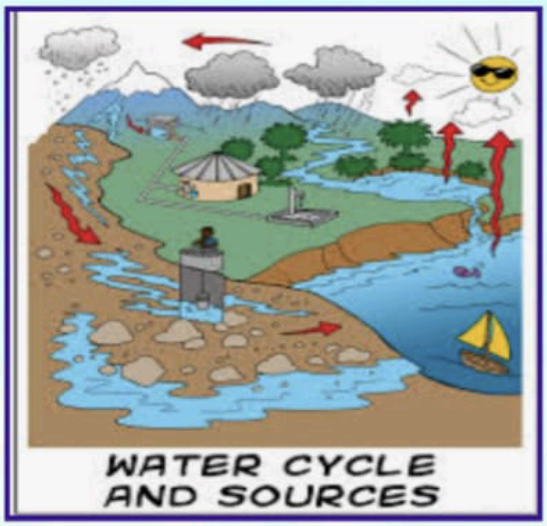

कृषि में, उद्योगों में, घरेलू कार्यों में,
मनोरंजन में भी जल उपयोग करते।
परिवेश को साफ-सुथरा रखने के लिए,
खाने-पीने, नहाने-धोने में भी प्रयोग करते।।

प्रदूषण से जल दूषित होता है,
हानिकारक भी हो जाता है।
भूमिगत जल स्वच्छ, कूआँ, हैण्डपम्प से,
मानव द्वारा उपयोग में लिया जाता है।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
वि० क्षे०- मथुरा, जिला- मथुरा

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

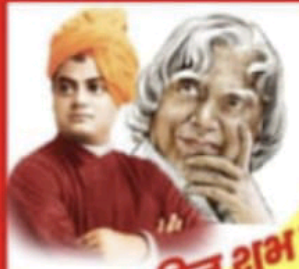

दिनांक 10 अप्रैल 2025

काव्यांजलि

2589

दिन गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- उ. प्रा. स्तर विषय:- खेल स्वास्थ्य एवं योग

ः क्या है योग ः

इन्द्रियों का दृढ़ संयम है योग,
कर्म विधान का मार्ग है योग।
योग कला, विज्ञान है योग,
औषधि जादुई प्राण है योग।।

सौम्य मुद्रा, सचेतन योग,
एकाग्र मन से ध्यान है योग।
चित्त वृत्तियों का निरोध है,
पतंजलि अष्टांगिक मार्ग है योग।।

विश्वास, आकांक्षा, दृढ़ता, साधन,
चार तत्व सम्मिलन है योग।
योग ईश्वर-आत्म मिलन है,
सुख-दुःख भोग से परे है योग।।

योग अलौकिक क्षमतावान,
ब्रह्म जगत का ज्ञान है योग।
योग प्राणायाम, मुद्रा, आसन,
जनकल्याणक कार्य है योग।।

रचना:-

शर्मा कुसुम (स०अ०)
P. M.श्री कम्पोजिट वि० जैतपुर,
ब्लॉक- जैतपुर (आगरा)

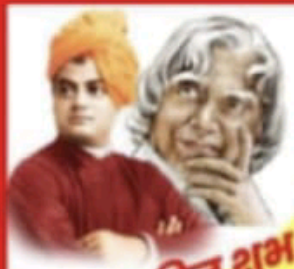

दिनांक 11.4.2025

काव्यांजलि

2490

दिन शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-7, विषय- गृह शिल्प, पाठ-06

प्राथमिक चिकित्सा

कभी कहीं कोई गिर जाएँ,
उसको चोट कहीं लग जाएँ।
आग से कोई व्यक्ति जल जाएँ,
किसी तरह से चोट आ जाएँ।।

घर के अन्दर या घर के बाहर,
होता है जब कोई व्यक्ति घायल।
खून बहे जब बहुत ही ज्यादा,
किसी के समझ में कुछ न आता।।

तुरन्त प्राथमिक चिकित्सा करना,
उपलब्ध सामान का प्रयोग करना।
मरीज को ज्यादा न हो नुकसान,
अस्पताल ले जाना होगा आसान।।

मरीज जब कुछ आराम मिल पाएँ,
उसको तुरन्त अस्पताल ले जाएँ।
प्राथमिक चिकित्सा बहुत जरूरी,
करना तभी जब जानकारी हो पूरी।।

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

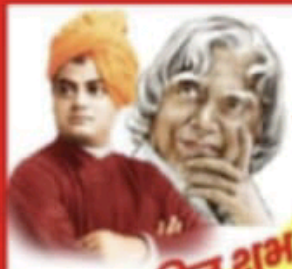

दिनांक 12.04.2025

काव्यांजलि

2491

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-5, विषय- वाटिका, पाठ- 2

पंच परमेश्वर

पंचायत करने की खाला ने,
थी अब मन में ठानी।
बहुत कर लिया सहन,
नहीं अब होगी इनकी मनमानी।।

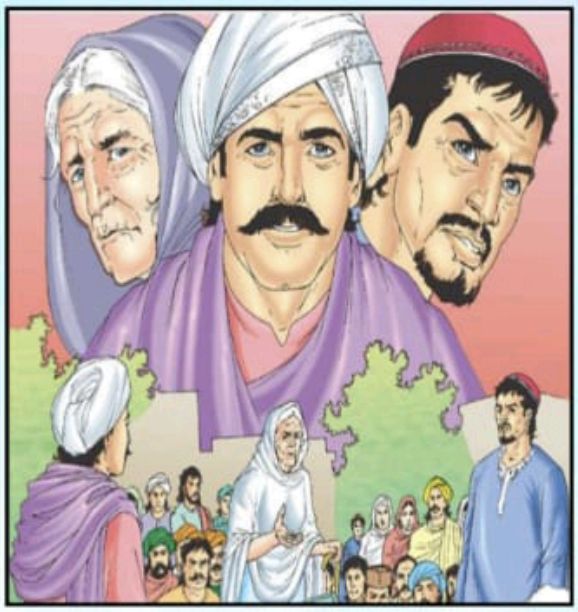

बोली खाला जुम्मन से,
अब नहीं तुम संग गुजारा।
जो भी फैसला लेंगे पंच,
वही करना होगा गवारा।।

एक दिन खाला ने पेड़ के,
नीचे थी पंचायत बुलायी।
उन पंचों में एक सरपंच,
बना दिया था अलगू भाई।।

सरपंच बना देख अलगू को,
जुम्मन मन में मुस्काये।
जिरह मगर जब की अलगू ने,
थे हैरत से सब घबराये।।

रचना:- पारुल चौधरी (स.अ.)
प्रा० वि० बसी न० 3
क्षेत्र व जनपद- बागपत

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

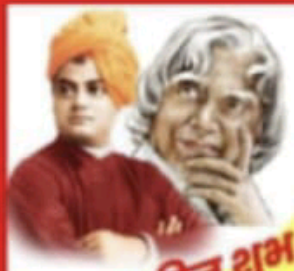

दिनांक 14-04-2025
काव्यांजलि
2492
दिन सोमवार
आपका दिन शुभ हो।

विषय- गणित (कक्षा- 7)

इकाई- 3, साँख्यिकी

वृत्तारेख की अवधारणा और निरुपण

वृत्तारेख या पाईग्राफ से,
करें निरुपण आँकड़ों को।
वृत्त के त्रिज्या खण्डों द्वारा,
करें प्रदर्शित आँकड़ों को।।

चित्र 3.2

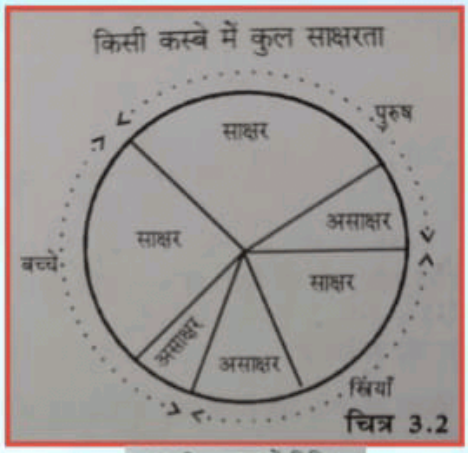

वृत्तीय रुप में देखा होगा,
समाचार पत्रों में सबने।
करते ऐसे इन्हें प्रदर्शित,
इन चित्रों को परखा तुमने।।

चित्र 3.1

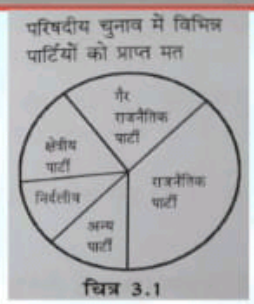

ये ही निरुपण वृत्तारेख हैं,
त्रिज्य खण्डों में विभाजित हैं।
सम्पूर्ण और उसके भागों में,
क्या सम्बन्ध, निरुपित है।।

त्रिज्य खण्डों का माप निरुपित,
उसके द्वारा सूचना की।
होती है समानुपाती वह,
कहानी यही आँकड़ों की।।

रचना
जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्रा० वि० बम्हौरी (कम्पोजिट)
ब्लॉक- मऊरानीपुर (झाँसी)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

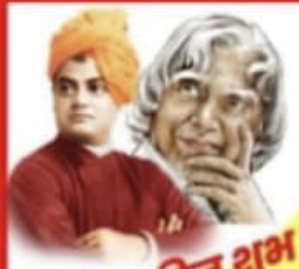

दिनांक 15 अप्रैल 2025

काव्यांजलि

2493

दिन मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 7

हमारा भूमण्डल

पाठ- 8

जलवायु

वर्षा, तापमान, आद्रता, वायुदाब,
से मिलकर बना है जलवायु।
दीर्घकालीन सम्मिलित है रूप,
इसे ही हम कहते हैं जलवायु।।

जलवायु, मृदा, वनस्पति में,
औसत एकरूपता पायी जाती।
होता है सबका विस्तृत क्षेत्र,
यही प्राकृतिक प्रदेश कहलाती।।

किसी-किसी प्राकृतिक प्रदेश में,
कम ही होती हैं भिन्नताएँ।
और कई प्राकृतिक प्रदेश में,
बहुत अधिक होती भिन्नताएँ।।

प्राकृतिक प्रदेशों में विभाजन,
का मुख्य आधार है जलवायु।
मृदा, वनस्पति, जीव-जन्तु, मानव,
सबको प्रभावित करती जलवायु।।

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

काव्यांजलि
2494

दिनांक
16 अप्रैल 2025

दिन
बुधवार

पाठ- 06

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6 विषय- इतिहास

(हमारा इतिहास और नागरिक जीवन)

सोलह महाजनपद

तर्ज़- दोहा

अंग, मगध, काशी, कोसल,
वत्स, चेदि, पांचाल।
कुरु, शूरसेन, अश्मक,
अवंति, मत्स्य, गांधार।।

कम्बोज संग इन सबमें,
राजतंत्र की धूम।
वज्जि, मल्ल गणतंत्र थे,
महाजनपद के मूल।।

सोलह महाजनपदों में,
अति थे शक्तिशाली।
वत्स, अवंति, कोसल,
मगध भाग्यशाली।।

प्रमुख महाजनपद रहे,
शक्तिशाली ये चार।
अति महत्व के सिद्ध हुए,
मगध, अवन्ति राज्य।।

रचना- अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 17/04/25

काव्यांजलि

2495

दिन गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा - 5 विषय - गणित पाठ - बहुसंक्रियाएँ

बहुसंक्रियाएँ और जीवन कौशल

लक्ष्य जरूरी को पहचानो,
दो महत्व कोष्ठक सुलझाओ।
जानो तुम व्यवहारिक ज्ञान,
किसका कितना यह बतलाओ।।

मिल बाँट कर साझा सीखो,
भाग कर बाँटो मिलकर खाओ।
गुण कौशल को सदा बढ़ाओ,
और गुणा करके दिखलाओ।।

योग करो मिलकर प्रतिदिन,
मिलकर रहो जोड़ना सीखो।
अवगुण दूर कर बनो गुणवान,
अनुरागी बन द्वेष घटाना सीखो।।

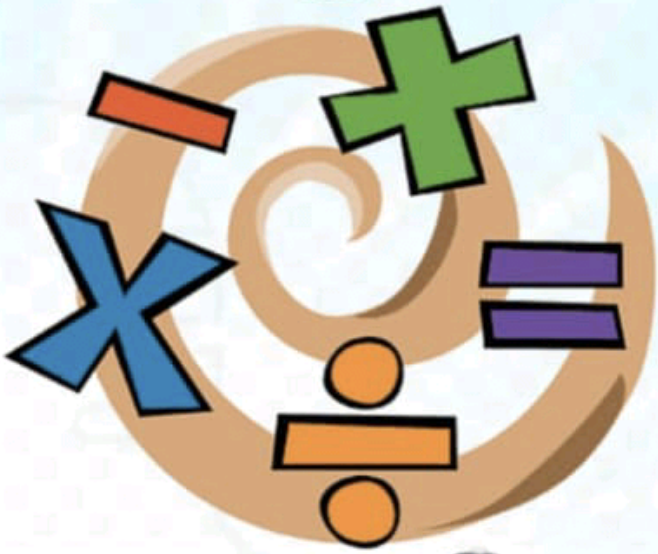

सीखो यह सब बनो महान,
कौशल सीखो पाओ ज्ञान।
श्रंखला को सुलझाओ ऐसे,
और पाओ गणितीय ज्ञान।।

रचना
प्रतिभा यादव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय चौरादेव,
पुवाँरका, सहारनपुर...

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 18 अप्रैल 2025

काव्यांजलि

2496

दिन शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6, विषय- विज्ञान

पाठ- 9

भोजन

बात सुनो तुम एक महान,
पौष्टिक भोजन गुणों की खान।
स्वस्थ शरीर निरोगी काया,
रोगों को सब दूर भगाया।।

ऊर्जा शक्ति इससे मिलती,
माँसपेशियों को सक्रिय रखती।
जो खाते सन्तुलित आहार,
दूर हो जाता सभी विकार।।

इनकी कमी लाती है रोग,
रतौंधी हो या स्कर्वी रोग।
रेशेदार भोजन जो करता,
कुपोषण से दूर वो रहता।।

जैसा हम खायेंगे अन्न,
वैसा अपना बनेगा मन।
स्वस्थ व्यक्ति से स्वस्थ समाज,
खायें सब अंकुरित अनाज।।

🙏 *रचना:-*
डॉ० शालिनी गुप्ता (स०अ०)
उच्च प्राथमिक विद्यालय मुर्धवा (ब्लॉक-8)
म्योरपुर, सोनभद्र

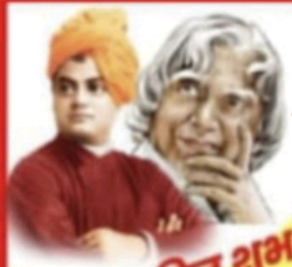

दिनांक 19.04.2025

काव्यांजलि

2497

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-7, विषय- हिन्दी, पाठ- 3

वीरों का कैसा हो बसन्त

हिमालय आवाज लगाता,
उदधि में भीषण गर्जन हो।
दशो दिशाएँ पूछ रहीं हैं,
वीरों का कैसा बसन्त हो?

पीली सरसों लहराकर,
वीरों के जीवन में रंग भरते।
शून्य पुष्प की वर्षा कर,
धरती हृदय में खुशियाँ भरते।।

कन्त सजा जब वीर रूप में,
युद्ध भूमि में जाने को।
जैसे प्रश्न फिर खड़ा हुआ हो,
वीरों का कैसा बसन्त हो।।

वीरों का तो बसन्त तभी है,
जब शान्ति से खुशी मना पायें।
रण भूमि में युद्ध लड़ें या फिर,
लौट के अपने वो घर आएँ।।

रचना- सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कम्पोजिट उ० प्रा० वि०- खजनी (रुद्रपुर), गोरखपुर

दिनांक 21 अप्रैल 2025

काव्यांजलि

2498

दिन सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

पाठ- 18

कक्षा -5 विषय- नागरिकशास्त्र (प्रकृति)

हमारा संविधान

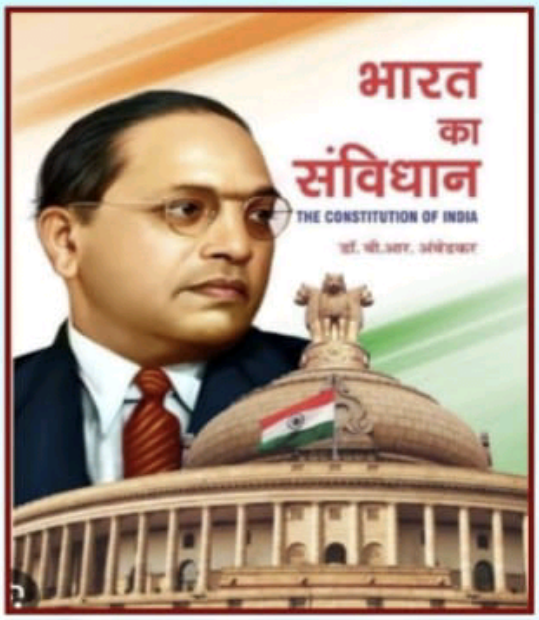

प्यारे बच्चों! भारत देश हमारा,
जिन नियमों से चलता है।
कहते है उसे हम संविधान,
जिसका हर कोई पालन करता है।।

स्वतन्त्र हुआ था भारत जब,
मिलकर संविधान सभा बनायी थी।
राजेन्द्र प्रसाद को अध्यक्ष बनाकर,
विचार हेतु एक समिति बनायी थी।।

उस प्रारूप समिति का अध्यक्ष,
अम्बेडकर जी को बनाया था।
2 वर्ष 11 माह 18 दिन में,
हमारा संविधान बन पाया था।।

26 जनवरी सन 1950 को,
लागू हुआ देश का संविधान।
लोकतान्त्रिक गणतन्त्र हुआ घोषित,
भारत बन गया देश महान।।

रचना-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
क्षेत्र- अमरौधा, जनपद- कानपुर देहात

दिनांक 22/04/2025

काव्यांजलि

2499

दिन मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा - 2

विषय - सारंगी 2

पाठ- 8 (तीन दोस्त)

बात सुनो भाई तीन रंगों की,
लाल, पीला और नीला।
लजीज वस्तु में रंग था लाल,
चमकदार सूरज भी पीला।।

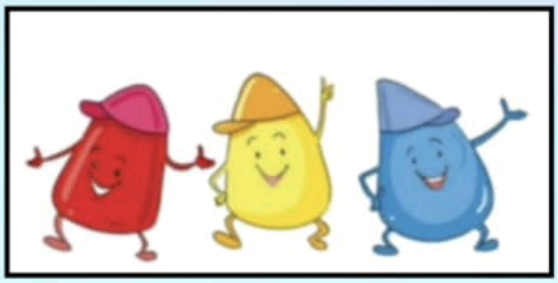

बारिश भी थी नीली-नीली,
तीनों का था बड़ा याराना।
तीनों ने फिर मिलकर सोचा,
चाहिये हमें और दोस्त बनाना।।

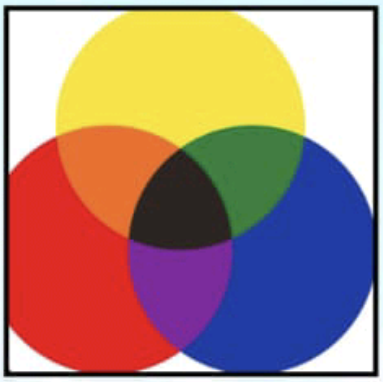

साथ चले जब लाल और पीला,
नया दोस्त नारंगी मिला।
पीले-नीले ने हाथ मिलाया,
हरा दोस्त फिर नया मिला।।

लाल और नीले के मिलते ही,
दोस्त मिला नया बैंगनी।
दुनिया हो गई और रंगीन,
तीनों की मिट गई बैचेनी।।

रचना -
नीतू सिंह (प्र०अ०)
प्रा०वि० समोखर,
निधौली कलां, एटा

दिनांक 23-04-2025

काव्यांजलि

2500

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

विषय- पर्यावरण (कक्षा- 4)

पाठ- 11, जल ही जीवन

जल का महत्त्व और स्रोत

खाते-पीते, कपड़े धोते,
करें सिंचाई खेतों की हम।
रोज नहाकर साफ-स्वच्छ हों,
जल बिन कोई रहे न हम।।

जल के बिना किसी का जीवन,
सम्भव नहीं सोचिए सब।
है इतना उपयोगी आता,
कहाँ से जल? ये जानें सब।।

पानी जहाँ से मिलता वह हैं,
जल के स्रोत, नदी, तालाब।
पोखर, झील और सागर से,
रिसकर भू में सुनो जबाब।।

आता है जमीन के भीतर,
मिलता हमें कुओं से यह।
बाँधों पर एकत्रित होता,
आये कुछ बहकर के यह।।

रचना
जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्रा० वि० बम्हौरी (कम्पोजिट)
ब्लॉक- मऊरानीपुर (झाँसी)

दिनांक 24.04.2025

काव्यांजलि

2501

दिन गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

विषय- खेल एवं स्वास्थ्य

कक्षा- उच्च प्राथमिक स्तर

योग

योग करते हैं हम प्रतिदिन,
तो तन मन मुस्कुराता है।
बरसता है नूर मुख पर,
स्वास्थ्य भी झिलमिलाता है।।

योग है मित्र मानुष का,
मगर रोगों का दुश्मन है।
ज्यों रंगों से ही फागुन है,
व झूलों से ही सावन है।।

जरूरी योग है बहुत ही,
स्वस्थ बचपन, स्वस्थ जीवन है।
कहावत है पुरानी ये,
स्वस्थ तन में स्वस्थ मन है।।

मोह से तोड़ कर मन को,
प्रकृति से जोड़ करके तन।
भूल कर हर परेशानी,
करो कसरत, करो आसन।।

रचना-
श्रीमती पूनम गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर, धनीपुर
जनपद- अलीगढ़

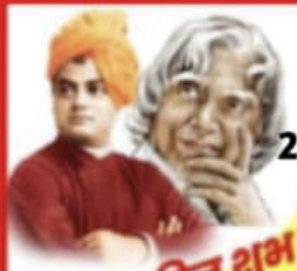

दिनांक 25-04-2024

काव्यांजलि

2502

दिन शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

विषय- खेल एवं स्वास्थ्य (कक्षा- 06)

पाठ- 01-शारीरिक शिक्षा

खेल एवं स्वास्थ्य

खेल एवं स्वास्थ्य का है,
आपस में घनिष्ठ सम्बन्ध।
मन और शरीर दोनों होते,
स्फूर्त और स्वस्थ।।

खेल खेलने से शरीर,
होता सुन्दर और बलिष्ठ
लचीला पन आता शरीर में,
हड्डियाँ होती और बलिष्ठ।।

वसा और शर्करा होता कम,
जोड़ की समस्या होती कम।
तनाव खेल से होता कम,
हँसी-खुशी से खेलें हम।।

खेलने से बढ़ता अनुशासन,
आपस में बढ़ता प्यार।
टीम भावना का होता विकास,
आपस में बढ़ता विश्वास।।

रचना-
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

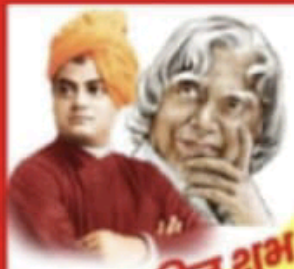

दिनांक 26 अप्रैल 2025

काव्यांजलि 2503

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 7, पाठ-10 विषय:- हमारा इतिहास

अकबर का युग

अकबर का युग था अनोखी मिसाल,
धरती पर उकेरी हुई एक सुनहरी चाल।
संगीत, कला, और प्रेम की थी बयार,
हर दिल से निकले खुशियों की पुकार।।

संगीत, कला, साहित्य,
और प्रेम की थी बयार।
हर दिल से निकलती थी,
खुशियों की पुकार।।

उसके दरबार में,
सबकी थी जगह।
जैसे एक बाग में,
खिलते हों हर फूल सदा।।

कोई छोटा, कोई बड़ा नहीं वहाँ,
सबके सपनों को मिला था पंख वहाँ।
उसने फतेहपुर में सीकरी बसाया,
मन्दिर और मस्जिद का साथ निभाया।।

रचना:-

वन्दना श्रीवास्तव (प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० अन्दावा
वि०क्षे०- बहादुरपुर, (प्रयागराज)

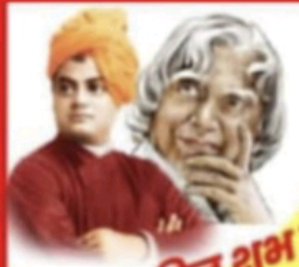

दिनांक 28.4.2025

काव्यांजलि

2505

दिन सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-8, विषय- कृषि विज्ञान, पाठ-03

प्राकृतिक आपदाएँ

आँधी, तूफान, बाढ़ जो आती,
यह प्राकृतिक आपदाएँ कहलाएँ।
चक्रवात या बीमारी का प्रकोप,
यह सब हमको नुकसान पहुँचाएँ।।

आँधी, तूफान जब कहीं आता,
बहुत सारे पेड़ उखड़ जाते हैं।
यातायात प्रभावित करता,
कमजोर मकान गिर जाते हैं।।

टिड्डियों का दल उड़कर आता,
फसल को पूरी खा जाता है।
इनका प्रकोप जहाँ पर पड़ता,
प्रायः वहाँ अकाल पड़ जाता है।।

नील गाय अक्सर झुण्ड में आकर,
फसलों को नुकसान पहुँचाती हैं।
भूकम्प, ज्वालामुखी, सुनामी भी,
प्राकृतिक आपदाएँ कहलाती हैं।।

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

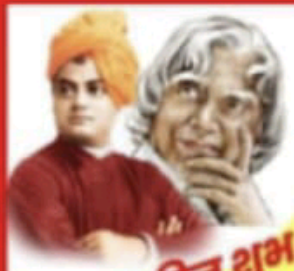

काव्यांजलि
दिनांक 29-04-2025
2505
दिन मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

विषय- गृहशिल्प (कक्षा- 6)

पाठ- 2, स्वच्छता

घर और आस-पास की स्वच्छता

दैनिक जीवन में विशेष,
उपयोगी रही स्वच्छता है।
रोज नहाते, कपड़े पहनें,
साफ किन्तु न स्वच्छता है।।

अपने घर और आस-पास की,
करें सफाई न यदि हम।
तो फैलें कीटाणु हर जगह,
हों बीमार, स्वस्थ न हम।।

यही स्वच्छता का मतलब है,
घर गन्दा न होने दें।
स्वच्छ रखें परिवेश और घर,
न कीटाणु पनपने दें।।

घर हो सुन्दर, स्वच्छ, व्यवस्थित,
वातावरण स्वास्थ्यकर हो।
खुशहाली हर घर में छाये,
जीवन स्थिर, सुखकर हो।।

रचना
जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्रा० वि० बम्हौरी (कम्पोजिट)
ब्लॉक- मऊरानीपुर (झाँसी)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 30/04/2025

काव्यांजलि

2506

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-6, विषय-अंग्रेजी

The honest woodcutter

एक लकड़हारा था एक गाँव में,
बहुत ईमानदार था वह वास्तव में।
लकड़ी काटते हुए उसको प्यास लगी,
झुकते ही उसकी कुल्हाड़ी गिरी नदी में ।

लकड़हारा ज़ोर से जब रोने लगा,
नदी की देवी ने उसका रोना सुना।
तब वह पानी से बाहर आयी,
साथ में सोने की कुल्हाड़ी लायी।।

लकड़हारे ने लेने से मना किया,
फ़िर वह चाँदी की कुल्हाड़ी लायी।
लकड़हारे ने उसको भी नहीं लिया,
उसकी ईमानदारी से वह प्रसन्न हुयी।।

नदी की देवी के मन मेंआयी दया,
तीनों कुल्हाड़ी को उसको ही दिया।
बच्चों तुम भी ईमानदार बनो,
जग में तुम रोशन नाम करो।।

रचना:-
नगमा शकूर (स०अ०)
उ०प्रा०वि०(1-8) किसरुआ
जगत, बदायूँ